

Class-VIII.

Book-Basant.

Chp-12.Sudama Charit.

Focus Point

- कवि ने कृष्ण और सुदामा की सच्ची मित्रता को दर्शाया है।
- अपनी आर्थिक परेशानियों से तंग होकर सुदामा अपनी पत्नी के कहने पर श्रीकृष्ण से मिलने द्वारिका जाते हैं।
 - अत्यंत दीन अवस्था में सुदामा कृष्ण के द्वार पर पहुंचते हैं।
 - द्वारपाल के बतलाने पर श्रीकृष्ण तुरंत सुदामा से मिलने आते हैं।
 - उसकी दयनीय दशा देखकर श्रीकृष्ण भाव विह्वल हो जाते हैं और रोने लगते हैं। उनके आँसुओं से सुदामा के पैर धुल जाते हैं।
 - सुदामा की पत्नी द्वारा दिए गये साधारण चावल को वह बहुत प्रेम से ग्रहण करते हैं।
 - वापस घर लौटते वक्त सुदामा के मन में यह संशय होता है कि वह व्यर्थ ही अपने मित्र कृष्ण से मिलने आए।
 - कृष्ण ने मात्र उसके स्वागत का दिखावा किया उसके कोई सहायता नहीं की।
 - सुदामा जब अपने गांव पहुंचे तब सब कुछ बदला-बदला देखकर वह भ्रममिंत हो जाते हैं कि कहीं वापस द्वारिका तो नहीं पहुंच गए।
 - श्रीकृष्ण ने अप्रत्यक्ष रूप से अपनी मित्रता निभाई और सुदामा को वैभवशाली जीवन प्रदान किया।